



ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

321 Rookery Road, Handsworth  
Birmingham B21 9PR  
Tel : 0121 359 7727  
enquiries@arya-samaj.org  
www.arya-samaj.org  
Charity Registration Number : 1156785



## What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

# ARYAN VOICE

YEAR 40

09/2018-19

MONTHLY

September 2018

## GAYATRI MAHA YAJNA

ON SUNDAY, 9TH SEPTEMBER 2018

LIVE TV RECORDING BY AASTHA TV CHANNEL

FROM 11AM TILL 1.30PM

FOLLOWED BY RISHI LANGER

(Car parking facility will be at Rookery School, Rookery Road, Birmingham, B21 9PY)

Please get in touch with Acharya Ji to register your name.

Tel: 0121 3597727 OR Email: enquiries@arya-samaj.org

## Diwali

Saturday 10<sup>th</sup> November 2018

6pm onwards

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org

Website - www.arya-samaj.org

Now on facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

Charity registration number 1156785

## CONTENTS

<b>10 Principles of Arya Samaj</b>	<b>3</b>
<b>May Diverse Winds Blow Accordantly By Mr Krishan Chopra</b>	<b>4</b>
<b>महर्षि दयानन्द उवाच - नित्य कर्म का लाभ - आचार्य डॉ. उमेश यादव</b>	<b>6</b>
<b>“बार्ते भूल जाती हैं पर यादें याद आती हैं” - सत्य प्रकाश गुप्ता</b>	<b>8</b>
<b>Deva – Yajna (Agnihotra/Havan)</b>	
<b>Translated by By Dr Narendra Kumar in English</b>	<b>11</b>
<b>Accounts 2017-2018</b>	<b>16</b>
<b>Time for Toddlers Advert</b>	<b>18</b>
<b>Matrimonial Service information</b>	<b>19</b>
<b>Venue Hire Advert</b>	<b>20</b>
<b>News (पारिवारिक समाचार)</b>	<b>21</b>
<b>New Building Refurbishment Fund</b>	<b>24</b>
<b>Yoga Classes</b>	<b>25</b>
<b>AGM Information</b>	<b>26</b>
<b>Indian Classical Dance</b>	<b>27</b>

**For General and Matrimonial Enquiries**

**Please Ring**

**Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)**

**Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,**

**Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.**

**Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727**

**E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

## May Diverse Winds Blow Accordantly

इमा या ब्रह्मणस्पते विषूचीर्वात् ईरते । सधीचीरिन्द्र ताः कृत्वा मह्यं  
शिवतमास्कृधि ॥ अथर्ववेदः १९.८.६

Ima ya brahmanaspate visucivati irate I  
sadhricirindra tah krtva mahyam sivatamaskrdhi II

Atharva Veda 19.8.6

### Meaning in Text Order

Ima = these

Yah = who

Brahmanaspate = remover of all hindrances

Visuci = diverse

Vata = winds

Irate – blow

Sadhricih = accordant

Indrah = gracious Lord

Tah = them

Krtva = turn mahyam = for me

Sivatamah = propitious

Krdhi = make.

## **Meaning**

O Lord of knowledge! These diverse type of winds which are blowing, make them blow in accordance for our welfare.

## **Contemplation**

The diverse winds are blowing from all directions towards us. They are influencing young people. These are of intoxication, drugs and fashion etc. Somewhere the wind of intoxication is blowing where sometimes wise people are found to be influenced by that. Somewhere, the winds against celibacy is blowing which is damaging the health of promising young people. At some places the wind of non-violence is blowing and people are being killed. Somewhere the wind of unrighteousness is blowing which generates the hope to become wealthy by unfair means and this is affecting nice people also. At other places, the wind of bribe is blowing where truthful people are not untouched. There is wind blowing to sell small girls which is destroying the life innocent girls. The travelers are looted at the gun point. Pick pocketers are snatching the money of others. There is adulteration and pure things are not available in the market. Somewhere imitation is going on and it is difficult to recognize real and unreal thing

O master of the universe! Turn these diverse winds in propitious winds. You blow the wind of worship of God, love, compassion, purity of soul, contentment, meditation, non-violence, truthfulness, celibacy, self-control, not hoarding, forgiveness, knowledge, dutifulness. May you replace these diverse winds into comfortable, full of fragrance and purity. These type of wind will prove auspicious for me and for society. They will do the welfare of society and they will be for the betterment of others.

**By Mr Krishan Chopra**

## महर्षि दयानन्द उवाच

संकलन उद्धृत- आचार्य डॉ. उमेश यादव

नित्य कर्म का लाभ स.प्र. ३५० पृष्ठ

नित्य कर्म में अनध्याय नहीं होता । जैसे श्वास-प्रश्वास सदा लिये जाते हैं, कभी बन्द नहीं किये जा सकते, वैसे नित्य कर्म प्रतिदिन करना चाहिये, न किसी दिन छोड़ना, क्योंकि अनध्याय में भी अग्निहोत्रादि उत्तम कर्म किया हुआ पुण्यरूप होता है, जैसे झूठ बोलने में सदा पाप और सत्य बोलने में सदा पुण्य होता है वैसे ही बुरे कर्म करने में सदा अनध्याय और अच्छे कर्म करने में सदा स्वाध्याय ही होता है ।

आयु, विद्या, कीर्ति और बल की वृद्धि के उपाय

जो सदा नम्र, सुशील, विद्वान् और वृद्धों की सेवा करता है उसका आयु, विद्या, कीर्ति और बल ये चार सदा बढ़ते हैं, और जो ऐसा नहीं करते, उनके आयु आदि नहीं बढ़ते ।

प्रमाण- अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोऽपि सेविनः,

चत्वारि तस्य बर्द्धन्ते, आयुर्विद्यायशोबलम् ।

विद्वान् और विद्यार्थियों का कर्तव्य

विद्वान् और विद्यार्थियों को योग्य है कि वैरवुद्धि छोड़कर सब मनुष्यों को कल्याण के मार्ग का उपदेश करे और उपदेष्टा सदा मधुर सुशीलतायुक्त

वाणी बोले । जो धर्म की उन्नति चाहे वह सदा सत्य में चले और सदा सत्य ही का उपदेश करे ।

### तीर्थ

तीर्थ जिससे दुःखसागर से पार उतरे कि जो सत्यभाषण , विद्या. सत्संग, यमादि योगाभ्यास पुरुषार्थ, विद्यादानादि शुभ कर्म है उन्हीं को तीर्थ समझता हूँ, इतर जल स्थलादि को नहीं ।

### सदा आनन्दी कौन ?

जो पुरुष विद्वान्, ज्ञानी, धार्मिक, सत्पुरुषों का संगी, योगी, पुरुषार्थी, जितेन्द्रिय सुशील होता है, वही धर्मार्थ काम मोक्ष को प्राप्त होकर इस जन्म और पर जन्म में सदा आनन्द में रहता है ।

### परमार्थ और देशोपकार में धन का व्यय

जहाँ तक हो वहाँ तक अप्राप्त वस्तु की इच्छा, प्राप्त का रक्षण और रक्षित की वृद्धि, बढ़े हुये धन का व्यय देशोपकार करने में किया करे । सब प्रकार के अर्थात् पूर्वोक्त रीति से अपने-अपने वर्णाश्रम के व्यवहारों को अत्युत्साहपूर्वक प्रयत्न से , तन-मन-धन से सर्वदा परमार्थ किया करे । अपने माता-पिता, सास-श्वसुर की अत्यन्त सुश्रूषा करे । मित्र और अड़ोसी-पड़ोसी राजा, विद्वान्, वैद्य और सत्पुरुषों से प्रीति रख के और जो दुष्ट अधर्मी है उनसे उपेक्षा अर्थात् द्रोह छोड़कर उनके सुधारने का यत्न किया करें ।

ओ३म्

“बातें भूल जाती हैं पर यादें याद आती हैं”

- सत्य प्रकाश गुप्ता

सँजु जी की अंतिम यात्रा-एक संस्मरण

घर पर संस्कार

प्रिय सँजु ने अंतिम सांस अपनी प्यारी बिटिया स्मिता की गोद में गुड होप हस्पताल, सटन कोल्डफ़िल्ड, बर्मिंघम में प्रातः ७.३० बजे के करीब ३ मई ई. सम्वत् २०१८ को लिया । सँजु जी के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार १३ मई ई, सम्वत् २०१८ प्रातः ९.३० बजे के करीब ४९ एवरी रोड, सटन कोल्डफ़िल्ड के अपने निवास स्थान में पूर्ण आर्य वैदिक रीति से आचार्य उमेश जी ने करवाया । जैसे ही फ्युनरल डॉयरेक्टर प्रिय भूपेन्द्र सिंह जी ने दरवाजे पर दस्तक दी, दरवाजा तो पहले से ही खुला था, शव-बॉक्स अन्दर ड्राइंग रूम में लाया गया, तब ज्योंहि बॉक्स खुला, सभी संगी साथी सँजु जी से बातें करने लगे जबकि सँजु जी की आँखें बन्द थीं --- बस सभी सहम से गये । तुम्हारा हँसता हुआ प्यारा सा मुखड़ा और तुम तो कितनी ही सुन्दर लग रही थी । बातें भूल जाती हैं पर यादें याद आती हैं । तुम सब बहन-भाइयों से आँखें बन्द किये हुये बातें करने लगी । तुम्हारे ऊपर बिछे हुये फूलों की महक से तथा अनेक सुगन्धित औषधि-वनस्पति युक्त सामग्री, अगरबत्ती, ईत्र, कर्पूर, चन्दन आदि और गाय के शुद्ध देसी घी की वेद-मंत्रोच्चारण पूर्वक आहुतियों से तुम्हारा न केवल पार्थिव शरीर बल्कि सारा कमरा ही महक उठा । मैं स्वयं तुम्हारे चरण-

स्पर्श से गद-गद हो गया । ईच्छा रही बातें करने की जो पूरी न हो सकी । तुम्हारी प्यारी दोती आशिमा ने वह म्युजिकल इन्स्ट्रुमेंट तुम्हारे पार्थिव शरीर के समीप बजाया जो अक्षर अपने घर पर बजाया करती है जिसे तुमने भी देखा हुआ है और यह सब को बहुत पसन्द आया ।

### क्रेमोटोरियम में प्रार्थना

घर छोड़कर हम सब तुम्हारे पार्थिव शरीर को क्रेमोटोरियम ले गये । वहाँ विधिवत् आचार्य डॉ. उमेश यादव जी ने वेद-मंत्रों व कुछ भगवद्गीता के समसामयिक श्लोकों का उच्चारण कर तुम्हारी आत्मिक शान्ति की प्रार्थना की, वच्चों ने भावभिन्नी श्रद्धाँजलियाँ दी, मैंने भी तुम्हारे लिये अपने हार्दिक भाव व्यक्त किये । वहाँ मान्य आचार्य जी के निर्देशन में तुम्हारी प्यारी बेटा स्मिता व मैंने भी परिवार सहित विधिवत् अंतिम कर्म लाल बटन दबाकर किया । देखते ही देखते तुम्हारा पार्थिव शरीर पर्दे के पीछे बन्द कमरे में अग्नि-दाह हेतु चला गया । वहाँ पर लगभग २५० लोगों उपस्थित थे । कुछ ही क्षणों में तुम्हारा पार्थिव शरीर अग्नि-दाह हेतु समर्पित हो धूँ-धूँ कर भश्म हो गया और सब पंच-तत्त्व में विलीन हो गया, सब देखते के देखते रह गये । मेरे नेत्र खुले रहे, मैं कुछ सोच नहीं पाया, वह सारा का सारा दृश्य सबने अपने-अपने नेत्रों में बन्द कर लिया । तुम्हें खोकर सभी संगी साथी मलिन मुख से आगे बढ़ने लगे । तुम हर समय मेरे हृदय में रहोगी मेरी सँजु । तुम तो पहले ही दिव्य मार्ग के पथिक बन चुकी थी । हम सब ने तुम्हारी आत्मिक शांति की प्रार्थना की कि परमात्मा तुम्हें अपने आनन्द गोद में सदैव रखे ।

## आर्य समाज रुकरी रोड में हवन

क्रेमोटोरियम से विधिवत् श्रद्धाँजलि, प्रार्थना व अंतिम दाह-कर्म के बाद हम सब आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स, रुकरी रोड, हैंड्सवर्थ, बर्मिंघम पहुँचे । तुम्हें खुशी-खुशी बिछुड़ने के लिये वहाँ पर आचार्य उमेश जी ने विधिपूर्वक हवन करवाया । पश्चात् श्री कृष्ण चोपड़ा जी ने श्रद्धाँजलि दी । आचार्य जी व आर्य समाज के मान्य प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार ने भी खास श्रद्धाँजलि पत्र पढ़े और उन्हें मुझे दिये । आर्य समाज में भी करीब १०० लोग सम्मिलित हुये, सबने तुम्हें खूब चाहा तथा वहाँ से अपना खाली कमरा छोड़कर तुम चली गयी और मैं तुम्हें खोजता रहा-- । अंत में शान्ति-पाठ के बाद प्रीति-भोज किया और फिर सबने प्रस्थान किया ।

“ बातें भूल जाती हैं पर यादें याद आती हैं” ।

अल्विदा कहते हुये, अंतिम श्रद्धा-सुमन, अपनी संजु जी के लिये-

तूने एक ऐसी उड़ान भरी है जो दुशवार है ।

तू महान है, तू महान है ॥

ईश्वर सदा तुम्हारे साथ रहे,

और तुम खुश रहो ।

तिथि: १३.०८.२०१८

-सत्य प्रकाश

## **DEVA - YAJNA (AGNIHOTRA/HAVAN)**

### **MEANING AND IMPORTANCE OF PERFORMING DEVA- YAJNA**

This is a noble and a charitable deed (work). Deva yajna is also called as Agnihotra, Havan or Homa. Usually people call it as Havan. Normally Yajna is used as synonym for Havan. The broad meaning of Yajna is an Excellent deed (work). Any deed or act which is done for the welfare of an individual, community or a society, a selfless service (Nishkaam Seva) beneficial to other human beings is known as Yajna. To respect and honour parents, teachers, Rishis and learned people are part of Deva Yajna. In Yajna there is a chapter on their respect, proper utilisation of their services, protection, their developments and appropriate actions on part of human beings performing Yajna. This is what the true meaning of Deva-Yajna.

While performing Havan a Yajman (person doing Havan) recites Veda Mantras which describes the attributes of God (Stuti), prays to God for well being of his/her family members, children, grandchildren and relatives (Prarthana) and tries to come near the Almighty God (Upaasana). When performing Havan a learned priest or person donates (spreads) his/her knowledge to others, Yajman who performs Havan buys Ghee, Saamagri and samidha (small wooden pieces). In this act of Havan all kinds of Human beings like Brahaman, Khatriya, Vaishya and Sudra take part and support each other by offering their services in their own way, support each other and protect each other to live happily in society and community. This is the true and broad meaning of Deva-Yajna (Havan). A Brahaman gets some money as donation, protection and respect from other members of the Community and Society.

By performing Havan a person helps in purification of his/her surrounding environment. Saamagri and Ghee (Clarified Butter) when burnt in fire of Havan Kund (pot used for burning wooden pieces) emit nice and natural smell in the surrounding air. So it helps to remove bad smell in the air and kills some harmful Bacteria and Viruses in the vicinity and thus helps in cleaning environment.

Obviously the more people and more frequently they perform Havan then

there will be more cleaning and purification of our environment. This act will also help in decreasing global warming of our world. There is an urgent necessity of performing Havan daily in every house to help our environment.

Two words are very frequently and repeatedly used in Havan. These words are SVAAHAA and IDAM NA MAMA.

SVA- AHAA literally means my own true expression.

What is this my own true expression? It is Idam Na Mama meaning it is not for me. The benefit of performing this Havan is not for me but for all those people who are performing and sitting in this Havan with me, for those people who are not present in this Havan and for those people who are present in this environment. All human beings should get benefit of Havan. All human beings are praying for welfare of all while performing Havan. This is the true essence of doing Havan and this act is beneficial to the person who is performing Havan, to the Community, Society, Nation and the World. In this Havan rich and poor, young and old and all kinds of human beings are coming together. In this way SWAAHAA is the soul and IAM NA MAMA is vital life breath of Havan (Yajna).

### **Recitation of Mantras and Purification of Mind**

There is a method and certain way of reciting Mantras, written under various section of Samanya Prakaran, when performing Havan. In these Mantras there is meaning of importance of human life, self realisation, all kinds of knowledge about Almighty God and knowledge of Creation of this world. Various Mantras, as written in various Sacraments, convey the practical knowledge about how to make a human life great and successful, healthy and free of all kind of diseases. By reciting and teaching these Mantras a person thinks of good and positive things in life which help in purification of Mind. The grammatical and the literary way these Mantras are composed that just by listening their recitation creates a calming, pure and sacred effect on the Mind of a person. This kind of effect on a individual's Mind takes him/her on path of righteousness. By knowing the true meanings of these Mantras helps us to come closer to Almighty God (Upaasana).

**This is why it is important to recite these Mantras while performing Havan.**

### **HAVAN - Place and Direction**

In addition to body cleaning by taking shower/bath the place where Havan has to be performed should be plane level and clean where Yajmaan ( person doing Havan) can sit comfortably. After collecting Ghee (Clarified butter), Samagri which is made of mixtures of various herbs, dry fruits and cereals, Samidha (small cut pieces of wood from apple tree, Pipal tree and Mango tree etc), as clean as pure as possible, Yajmaan should sit down with his/her face facing towards east and Priest (Purohit) should sit down with his/her face facing towards north with their Mind full of devotion towards Almighty God. Please note that while performing SANDHYAA (BRAHMA -YAJNA) Yajmaan should sit facing towards Sun and while performing HAVAN (DEVA-YAJNA and SACRAMENTS) Yajmaan should always sit with his/her face towards East. So while performing SANDHYAA in the morning Yajmaan should sit with his/her face towards East and in the evening his/her face should be towards west.

### **AGNIHOTRA - UNDERSTANDING THE PRACTICAL ASPECTS OF IT**

After reading the literary works of various intelligent and famous writers I, Acharya Umesh Yadav, am writing the gist (substance) of these rites (ceremonies). Here I have especially taken the help from Veda Bhashya book written by Maharishi Dayanand Saraswati and Yajna- Mimaansaa book written by Acharya Dr. RamnathVedaalankaar. These have been quoted here with the expression of my gratitude to the above writers.

#### **a) ISHWAR- STUTI PRAATHANOPAASANAA**

For performing Havan a person has to be spiritually contemplated (Meditated) and thinking about Almighty God. This particular section of Havan is very helpful in getting this kind of spiritual meditation. For this section Maharishi Dayanand Saraswati had selected eight very important Mantras from Vedas. By reciting these eight Mantras a Yajmaan becomes fully devoted to Almighty God. By reciting these Mantras our attributes, deeds and nature become better. These also

help us in developing some of these attributes in our personalities. Praying to Almighty God helps us in achieving some of our goals and aims in life. This also helps us mentally in facing and dealing with day to day actions and problems successfully in life. Prayers to Almighty God make us more polite and courteous. When we pray to Almighty God we definitely accept that we humans are lower to Him in all aspects. This humbleness guides us to walk on path of righteousness. By performing Upaasanaa our Mind becomes full of bliss (Happiness), inner peace and satisfaction. He/she always feels that Almighty God is kind and merciful to him/her and becomes eternally grateful to God. Thus he/she spends rest of his/her life in worship of Almighty God by performing these spiritual rituals. This is the best way to live healthy and happy life.

**b) SWASTIVAACHAN AND SHAANTI-PRAKARANA**

There are 31 Mantras in Swastivachan and 28 Mantras in Shaantiprakaran. 28 Mantras of Shaantiprakaran have been chosen from four Vedas. These Mantras are solid base for a human life full of peace and contentment. In these 28 Mantras one is praying for peace thoughts in his/her life. Let there be peace and balance in Mind, Intellect, Conscience and ego of human beings. SWASTI- SU+ASTI. In this world whatever is good for a best human life, beautiful, truth and happiness we should get it. In Mantras of Swastivaachan there is prayer and inspiration how to act in order to fulfil our prayers. In all parts of human body, in all aspects of our society, in all objects of creation and in all deeds of our life let there be blissful peace, balance, greatness and purity. By reciting Mantras in Swastivaachan he/she is praying for well being of all animals and human beings and objects in all four directions of this creation.

**c) RITWIG- VARAN (SELECTION OF PRIEST)**

This section is about selection and appointment of a Priest (Brahma Of Yajna) who will supervise the performance of Havan. Yajman requests to the Priest to sit in his Yajna Vedi and conduct the proposed Yajna/Sacrament as he/she seems fit. Priest/ Brahma of Yajna accepts the request of Yajman (Host) and gets busy in preparation required to

conduct the ceremony.

d) **Aachaman and Anga Sparsh (Drinking water and touching different parts of body)**

Placing a small amount of clean water in the middle of palm of right hand and drinking it slowly is known as Aachaman. Maharishi Dayanand has written it for relief of any cough or irritation of throat and cleaning of mouth. On some occasion this act is done prior to or after reciting Ishwar Stuti Praarthana Upaasana Mantras. In Sansakar Vidhi, written by Maharishi Dayanand Saraswati, it is suggested to do it after Ishwar Stuti Praarthana recitation because one has to touch and do things in Agnayaadhaan. So it is better for a person to have clean hands to do this act. But people should carry on following whatever is traditionally done in their place. This is why Yajna (Havan) is also known as a traditional skill or Science. A bit of difference here and there in way of performing Havan in different parts of the world is quite acceptable. In Aachaman a person is trying to follow the teachings of Almighty God in his/her life to live a happy life. Almighty God is protecting us like a protective cover around us . In the third Aachman one is praying for full development of truth, glory and prosperity in his/her life.

In Anga Sparsh (Touching different parts of body) a person holds a little amount of clean water in the palm of his/her left hand and with help of middle and ring fingers of his/her right hand touches different parts of his /her body on right side first and then left side. In this way a person starts with touching his/her mouth first and then both nostrils, both eyes, both ears, both shoulders, both thighs and thus completing this section of Havan. A person prays to Almighty God for healthiness, well being and working well of all these parts of his/her body.

**To be continued in next Edition.**

**Written by**  
**Acharya ji Dr Umesh Yadav in Hindi**  
**And**  
**Translated by**  
**Dr Narendra Kumar in English**

**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**  
**(Registered CIO - Charity Number 1156785)**

321, Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR, United Kingdom  
 Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

**Statement of Financial Activities**  
**for the Year Ended 31 March 2018**

	2018	2017
<b>Income and Endowments</b>		
<b>Donations and Legacies</b>		
Donations and Daan Patra	£52,098	£20,720
Gift Aid	£10,627	£11,354
Save Satyarth	£1,014	-
Vedic Marriage Sacrament Cerom	£10,840	£12,985
Subscriptions	£1,978	£1,690
Aryan Voice, Book Sale	-	£506
	-----	-----
	<b>£76,557</b>	<b>£47,255</b>
<b>Investment Income</b>		
Rent (Hall Hire Charges)	£3,100	£3,775
Rent (Womens Help Centre)	£2,380	-
HS2 Relocation Funds	£1,012,361	£600
Deposit Account Interest	£181	£2,193
Legal Charges Refunded	-	£8,191
	-----	-----
	<b>£1,018,022</b>	<b>£14,759</b>
<b>Total incoming resources</b>	<b>£1,094,579</b>	<b>£62,014</b>
<b>Expenditure</b>		
<b>Investment Management Costs</b>		
Loss on Sale of tangible fixed assets	£112,702	-
<b>Charitable Activities</b>		
Wages	£20,698	£21,647
Water Rates	£360	£2,104
Insurance	£1,116	£1,825
Light and Heat	£6,647	£4,938
Telephone	£694	£650
Postage and Stationery	£2,048	£2,863
Aryan Voice Publications	£3,288	£6,008
Sundries	£357	£890
Misc. Others	£8,625	£18,361
Donations and Dashinas	£6,887	£368
Repairs Renewals and Maintenance	£387	£368
	-----	-----
	<b>£51,107</b>	<b>£60,022</b>
<b>Support Costs</b>		
<b>Finance</b>		
Bank Charges	£80	-
<b>Other</b>		
Fixtures and Fittings	-	£944
<b>Governance Costs</b>		
Independent Examiners Fee	£480	-
	-----	-----
<b>Total Resources Expended</b>	<b>£164,369</b>	<b>£60,966</b>
	-----	-----
<b>Net Income</b>	<b>£930,210</b>	<b>£1,048</b>

Page 16

Please note, this is only a PART of the accounts and the full set of accounts - as filed with the charity commission - are available to any member who may wish to write to us if so required.

# Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

(Registered CIO - Charity Number 1156785)

321, Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR, United Kingdom  
Tel: 0121 359 7727; Email: enquiries@arya-samaj.org; Website: www.arya-samaj.org

## Balance Sheet

as at

31st March 2018

	2018	2017
	Unrestricted Funds	Total Funds
<b>Fixed Assets</b>		
Tangible Assets	£869,319	£112,702
<b>Current Assets</b>		
Debtors	£9,570	£4,197
Cash at Bank and in hand	£248,623	£84,417
	-----	-----
	£258,193	£88,614
<b>Creditors</b>		
Amounts falling due within one year	(479)	(4,493)
	-----	-----
<b>Net Current Assets</b>	£257,714	£84,121
<b>Total Assets Less Current Liabilities</b>	£1,127,033	£196,823
	-----	-----
<b>Net Assets</b>	£1,127,033	£196,823
	=====	=====
<b>Funds</b>		
Unrestricted Funds	£1,127,033	£196,823
	-----	-----
<b>Total Funds</b>	£1,127,033	£196,823
	=====	=====

Please note , this is only a PART of the accounts and the full set of accounts - as filed with the charity commission - are available to any member who may wish to write to us if so required.



## **PARENTS AND TODDLER GROUP**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

We provide a safe and secure facility and support parents in the up bringing and learning of their children.

Time spent in this activity is beneficial to the whole family and this involves the following.

- Singing
- Water play
- Games
- Music
- Books
- Educational Play and much more.....

**WHERE:** Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands  
321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham  
B21 9PR

**WHEN:** - EVERY WEDNESDAY 10.30AM - 12PM

**After a successful launch on Wednesday 6<sup>th</sup> June 2018 this play group will take place every week.**

**Centrally located and housed in a spacious hall very well equipped and well-staffed.**

**FOR MORE INFORMATION PLEASE CALL 0121 359 7727 or 0121 246 7399 or email [enquiries@arya-samaj.org.uk](mailto:enquiries@arya-samaj.org.uk)**

Children's health, safety and wellbeing are of paramount importance to Arya Samaj Community

**ALL CHILDREN SHOULD BE ACCOMPANIED BY AN ADULT**

**Any suggestions welcome!**

## **Matrimonial Service**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

### **Changes we have made in 2018:**

#### **Website:-**

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

#### **Matrimonial Service:-**

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**  
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

# **Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**

## **Newly Refurbished Venue Hire**

**Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.**

### **Venue Information:**

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
  - **Function/Dining Hall With Stage**
  - **Yajna Shala (Havan Room)**
    - **Kitchen Facilities**
    - **On site cleaner**
    - **Parking for events**
    - **Hindu Priest Service**

**Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.**

**For more information or viewings please call us on  
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm  
Bank Holidays – Closed**

- **Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol**

## News

### Get Well Soon:

- Mr Vishwa Nath Bhandari, ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2001-2003 is recovering in Gracewell of Edgbaston Care Home, Speedwell Road, Edgbaston, Birmingham, B5 7PR and telephone number 0121 796 0796. We all wish him a speedy recovery.
- Mr Brij B. Agarwal ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2005 - 2006 has been suffering from general poor health for last few months and we wish him a speedy recovery.
- Mrs Deepika Datta is on waiting list for a kidney transplant. We wish her to get better soon.

### Condolence:

- Mr. Chanakya Arya and family - for loss of their beloved father Shri Gopal Chandra MBE, Patron and Ex President of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands and Chairman of Arya Pratinidhi Sabha UK is no more. He died peacefully on Tuesday 28th August 2018. He is survived by his children. He turned 96 years of age on 11th August 2018. Funeral arrangements will be made by his family members soon. We will definitely inform the members and friends of our Arya Samaj about it as soon as we know. Chandra ji, as we all called him with love and affection was one of the solid pillar of our Arya Samaj. We all know his love, dedication and always ready to help our Arya Samaj in any way possible he could. We will miss him very much. We pray to Almighty God to rest his soul in peace and give strength to his family members to bear his loss.
- Mrs. Krishna Kumari Sudera and family - for loss of her beloved husband Mr. Sohan Lal Sudera who died on 27.07.2018. May God grant the departed soul eternal peace and give strength to the family members to bear their loss.

### **Congratulations:**

- Mr. BB Sharma and Mrs Gagan Sharma - for performance of Mundan Sanskar for their grand son Arjun. Wishing him happy life.
- Mr. Vinay Saxena and Mrs Anju Saxena - for havan to bless their lovely daughter Avi before her wedding to Alistor next year. Wishing them a happy married life.
- Mr. Kalash Mangal and Mrs Madhu Mangal - for Saint -Hawan to bless their beloved son Sanjiv before his wedding to Sima. Wishing them a happy married life.

**Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.**

### **Donations:**

- |   |      |
|---|------|
| • Mrs. K. Datta                                 | £11  |
| • Mr. SP Gupta                                  | £31  |
| • Mr. JP Sethi                                  | £21  |
| • Dr. PD Gupta                                  | £52  |
| • Mr. SP Vohra                                  | £11  |
| • Mrs. Renuka Chandan                           | £30  |
| • Dr. Krishan Kumar Soni for Kerla flood relief | £31  |
| • Mrs. Sushila Sanehi                           | £101 |
| • Miss Esha Alex                                | £21  |
| • Mrs. Henry Susama & Dr. Samant Narula         | £100 |

### **Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:**

- |                       |      |
|-----------------------|------|
| • Mr. BB Sharma       | £51  |
| • Mrs. Krishna Kumari | £150 |
| • Mr. Vinay Saxena    | £51  |
| • Mr. Kalash Mangal   | £100 |
| • Mr. Pulkit Ahuja    | £50  |

**Thank you for all your Donations!**

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 7th October 2018 & 4th November 2018.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

*0121 359 7727*

E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

## New Building Refurbishment Fund

In month of August 2018 following people have donated...

<u>NAME</u>	<u>DONATION</u>
<b>NEW DONATIONS:-</b>	
Dr Chetan Varma & Family	£1250
Mr Vinod & Mrs Vijay Gulati	£1050
Mr Karam Jeet Guddu	£30

**TOTAL SO FAR :**

**£53869.15**

**Thank you!**

### Haven't Donated Yet ????

Those of you who would like to donate money to  
"Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands"  
New building fund please do so now!!!

Your help is highly appreciated.

By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands'  
and sent back to us at 321 Rookery Road,  
Handsworth, Birmingham, B21 9PR

or

Bank Transfer – The Co-operative Bank  
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission)  
West Midlands

Account number – 65839135

Sort Code – 08.92.99



## **YOGA CLASSES**

**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands YOGA and MEDITATION Lessons for young children.**

**Where: - Arya Samaj (Vedic Mission) 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**

**When: - Every Tuesday – Starting on Tuesday 3rd July 2018.**

**Time: - 5pm – 6pm.**

**Our learned, trained and qualified Yoga teacher Acharya Dr. Umesh Yadav ji will provide these lessons.**

**Parents and grandparents with young children who would like some more information about these sessions please get in touch with our Arya Samaj by phoning on 0121 3597727 or email on [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org).**



## **AGM INFORMATION**

On Sunday, 29th July 2018 Annual General Meeting of our Arya Samaj was held. More than 50 members attended the AGM.

By a big majority (more than 75%) present members gave their approval for amendment in Constitution to give extra term to Dr. Narendra Kumar to serve as a Chairman and complete the various pending works of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands.

The following trustees were also appointed.

**Dr. Narendra Kumar**

**Mrs. Brij Bala Duggal**

**Mr. Ravinder Renukunta**

**Dr. Umesh Kathuria**

**Mr. Krishan Chopra**

**Mrs. Vimla Dodd**

**Dr. P.D.Gupta**



## **INDIAN CLASSICAL** **DANCE**

WE ARE VERY SOON GOING TO START  
INDIAN CLASSICAL DANCE LESSONS BY  
A QUALIFIED INDIAN TEACHER AT OUR  
ARYA SAMAJ PREMISES.

THOSE OF YOU WHO ARE INTERESTED  
PLEASE PHONE OR EMAIL TO US TO  
REGISTER YOURSELF.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)